अमर उजाला 17/02/2023

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर संगोष्ठी में रखे विचार

संवाद न्यूज एजेंसी

अंबाला। गांधी मेमोरियल नेशनल कॉलेज छावनी में वीरवार दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता प्रबंधन समिति के प्रधान डॉ. गुरुदेव सिंह ने की। प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त, आईक्यूएसी की संयोजक डॉ. शिखा जग्गी के नेतृत्व में नैक, बेंगलूरू के तत्वावधान में वे संगोष्ठी संपन्न हुई। इस दौरान वक्ताओं ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की कार्यशैली और परिणामों की दी जानकारी दी।

प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने कहा कि हमारा लक्ष्य कॉलेज को सीजीपीए 3.56 से 3.76 दिलाना है। इसके लिए हम ऐसी नीतियों का निर्माण कर रहे हैं जो इस लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारे लिए सहायक हो। संगोष्ठी की संयोजिका डॉ. शिखा जग्गी ने दो दिवसीय संगोष्ठी के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

इस दौरान बल्लभगढ़ के प्राचार्य डॉ. कृष्ण कांत ने अपने विचार सांझा किया। उन्होंने कहा कि जीएमएन कॉलेज नैक द्वारा प्रदान ए डबल प्लस ग्रेड के साथ देश के प्रतिष्ठित महाविद्यालयों में से एक है।

उन्होंने वर्तमान समय में उद्घोषित राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 में कार्यशैली स्वरूप एवं परिणामों पर सार्थक उदाहरणों से प्रस्तुति प्रस्तुत की और भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। इसमें कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र से इंजीनीयरिंग एवं तकनीकी संकाय के डीन, डॉ. अनिल कुमार वोहरा मुख्यातिथि रहे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को व्यवहारिक रूप से कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ इंटेग्रेटिड एंड ऑनर्स स्टडीस में प्रारंभ किया गया।

जिसकी मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। उन्होंने संक्षिप्त रूप में शिक्षा नीति के प्रारूप और भविष्य में इसके सकारात्मक परिणामों के संदर्भ में चर्चा की।

गांधी मेमोरियल नेशनल कॉलेज अंबाला छावनी में आयोजित संगोष्ठी के दौरान मौजूद शिक्षक। संवाद

प्रतिभागियों ने शोध पत्रों की दी प्रस्तुति

संगोष्ठी के एक दूसरे तकनीकी सत्र में संसाधन व्यक्ति के रूप में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय आईक्यूएसी के निदेशक डॉ. दिनेश कुमार उपस्थित रहे। डॉ. दिनेश ने अपने वक्तव्य में कहा कि वर्तमान समय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पूर्ण रूप से प्रसांगिक और सार्थक है। क्योंकि जिस ढंग से राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा, विकास , तकनीक और नवीनीकरण के प्रतिमान स्थापित हो रहे हैं। उन सभी में यह पूर्णता अनुकूल है। आज शिक्षा केवल शब्दों का ज्ञान ना रहकर एक व्यवहारिक स्तर पर कार्य कर रही है। देश के विभिन्न भागों से ऑफलाइन और ऑनलाइन मोड़ में इस संगोष्ठी में प्रतिभागी शामिल रहे। उन्होंने अपने शोध पत्रों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर डॉ. ज्योति, डॉ. अमिता, डॉ. अनुपमा सिहाग आदि मौजूद रहे।